जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 63 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 5 जनवरी, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जयपुर के स्कूलों में 13 जनवरी तक अवकाश

जयपुर, 4 जनवरी (का.सं.)। जयपुर जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने एक आदेश जारी कर जिले के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 6 जनवरी से 13 जनवरी, 2024 तक अवकाश घोषित किया है। आगामी दिनों में तापमान गिरने

- **जिला कलैक्टर ने 1 से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया और कहा कि, आदेश सभी स्कूलों पर लागू होगा।**

से सर्दी का प्रकोप और बढ़ने और शीतलहर चलने की संभावना को देखते जिला कलक्टर ने अवकाश के आदेश जारी किये हैं। हालांकि, इस दौरान शिक्षकों एवं अन्य संचालित परीक्षाओं का समय यथावत रहेगा। आदेश की अवहेलना करने वाले राजकीय एवं निजी विद्यालयों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

कांग्रेस ने राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा का नया नामकरण किया

पार्टी ने इसमें ''जोड़ो'' शब्द जोड़ दिया है अब इसका नाम ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा'' है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। कांग्रेस ने राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा में ''जोड़ो'' शब्द और जोड़ दिया है, अब यह यात्रा, ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा'' कहलाएगी। सभी को न्याय दिलाने के साथ-साथ परस्पर जोड़ने के उद्देश्य से यह यात्रा निकाली जायेगी।

राहूल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा का यह दूसरा चरण 14 जनवरी से मणिपुर से शुरु होगी। इस यात्रा का उद्देश्य उत्तर पूर्वी राज्यों के निवासियों की पीड़ा और जो अन्याय उन पर राज्य और केन्द्र की असंवदेनशील सरकारों द्वारा किया जा रहा है पर ध्यान दिलाना है।

- **यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होगी, जिसने हाल ही में भारी हिंसा देखी है और अभी भी वहां हालात सामान्य नहीं हुए हैं। पूर्व में यात्रा अरूणाचल प्रदेश से शुरू होने वाली थी।**
- **पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को भारी सफलता मिली थी, उस यात्रा के प्रभाव को पुनः सृजित करने के लिए भारत न्याय यात्रा में ''जोड़ो'' शब्द जोड़ा गया है।**
- **राहुल गांधी की यात्रा का उद्देश्य आम जनता के लिए राजनैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है।**

जातीय दंगों के महीनों बाद भी मणिपुर सामान्य नहीं हो पाया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्षों व विधायक दल के नेताओं के साथ साढ़े तीन घंटे चली बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम ने प्रैस वार्ता में कहा कि यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है।

66 दिन तक चलने वाली और 6700 किमी लंबी यात्रा अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा है और महात्मा गांधी के जन्म स्थान पोरबंदर (गुजरात) पहुँचने के पहले यह 15 राज्यों और 100 लोकसभा चुनाव क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। कांग्रेस पहले ये यात्रा अरूणाचल प्रदेश से शुरू करना चाहती थी लेकिन इम्फाल से शुरू करने का मकसद पूरे उत्तर पूर्व का संदेश देना है कि वो जून 2023 से शुरू हुये दंगों से बहुत व्यथित है।

यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

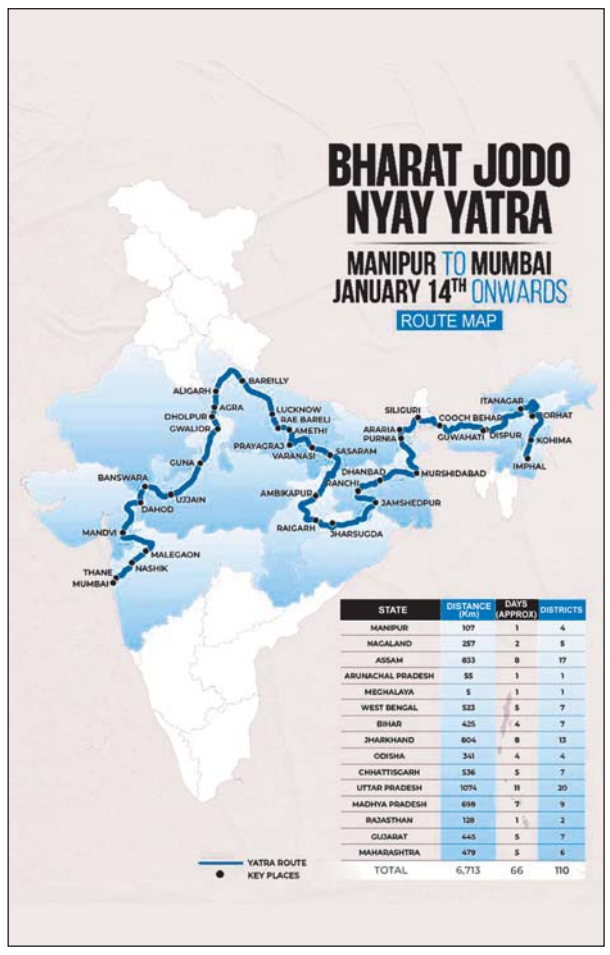

STATE	DISTANCE (Km)	DAYS (APPROX)	DISTRICTS
MANIPUR	107	1	4
NAGALAND	257	2	5
ASSAM	833	8	17
ARUNACHAL PRADESH	55	1	1
MEGHALAYA	5	1	1
WEST BENGAL	523	5	7
BIHAR	425	4	7
JHARKHAND	804	8	13
ODISHA	341	4	4
CHHATTISGARH	536	5	7
UTTAR PRADESH	1074	11	20
MADHYA PRADESH	698	7	9
RAJASTHAN	128	1	2
GUJARAT	445	5	7
MAHARASHTRA	479	5	6
TOTAL	6,713	66	110

'सरकारी आवास में रहने दिया जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। दिल्ली हाई कोर्ट ने लोकसभा की निष्कासित सदस्य व तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा से गुरूवार को सुनवाई के दौरान कहा कि, वे उन्हें आवंटित सरकारी आवास में निवास

- **निष्कासित सांसद महुआ मोईत्रा ने दिल्ली हाई कोर्ट से अनुमति मांगी, कोर्ट ने कहा, डायरैक्टोरेट ऑफ एस्टेट से अपील कीजिए।**

करते करने की अनुमति प्राप्त करने के लिए, ''डायरैक्टोरेट ऑफ एस्टेट'' (सम्पदा निदेशालय) के पास जाएं।

न्यायाधीश सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि, नियमों में प्राधिकारियों को यह शक्ति प्राप्त होती है कि वे अपवाद स्वरूप विशेष परिस्थितियों में कुछ निश्चित समयावधि के लिए सरकारी आवास में और अधिक निवास करने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल और भाजपा की जंग हास्यास्पद रूप लेती जा रही है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। देश की राजधानी में जो ड्रामा चल रहा है, वह किसी हास्य नाटिका से कम नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में एनफोर्समैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के समक्ष उपस्थित होने से तीसरी बार इन्कार कर दिया है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह उन्हें गिरफ्तार करने का एक कुटिल इरादा रखती है। प्रश्न यह पूछा जा रहा है कि क्या ई.डी. कोई त्वरित कार्रवाई करेगा? और क्या भाजपा यह जोखिम लेने के लिए तैयार है कि उसे एक गंदी राजनीति करने वाली पार्टी के रूप में देखा जाए? इसको लेकर एक ''वेटिंग गेम'' चल रहा है।

एजेन्सियों की खबरों के अनुसार ई.डी. उसके समक्ष उपस्थित ना होने को लेकर केजरीवाल द्वारा भेजे गए प्रत्युत्तर की जांच कर रही है। आधिकारिक सूत्रों

- **केजरीवाल ने लगातार तीसरी बार ई.डी. का सम्मन ठुकरा दिया और अब आप पार्टी के नेता कह रहे हैं कि, ई.डी. सी.एम. हाउस पर रेड करके केजरीवाल को गिरफ्तार कर सकता है।**
- **भाजपा ई.डी. के मुद्दे पर केजरीवाल को ''विक्टिम कार्ड'' नहीं खेलने देना चाहती है। शायद यही कारण है कि, कोई एक्शन लेने के बजाय ई.डी. चौथी बार सम्मन भेजने पर विचार कर रही है।**
- **केजरीवाल और उनकी पार्टी चाहती हैं कि, ई.डी. कोई एक्शन ले और उन्हें भाजपा को ''डर्टी पॉलिटिक्स'' के आरोप में बदनाम करने का मौका मिल जाए।**

ने यहां गुरुवार को बताया कि कथित एक्साइज़ पॉलिसी केस की जांच में उपस्थिति को लेकर ई.डी. उन्हें चौथा समन भेज सकती है।

केजरीवाल ने ई.डी. के समक्ष उपस्थिति होने से तीसरी बार इन्कार करते हुए कहा कि ई.डी. का ''नाम डिस्कलोज़र'' और ''नॉन रैस्पॉनस'' रुख कानून और न्याय की कसौटी पर नहीं टिक सकता और ई.डी. जज, जूरी और जल्लाद की भूमिका निभा रही है।

आप नेता आतिशी और पार्टी के कुछ अन्य नेताओं ने बुधवार रात्रि ''एक्स'' पर डाली गई एक पोस्ट में लिखा कि ई.डी. केजरीवाल के आवास पर रेड डालकर उन्हें गिरफ्तार कर सकती है।

आप सूत्रों ने गुरुवार को दावे से कहा कि अरविन्द केजरीवाल के आवास को जाने वाली सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया है तथा सभी दरवाजों पर पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं क्योंकि ई.डी. मुख्यमंत्री पर रेड डालने व उन्हें गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है।

तथापि, दिल्ली पुलिस ने कहा कि चूंकि आप नेताओं ने दावा किया था कि केजरीवाल के आवास पर रेड डालकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा, इसलिए वहां मीडियाकर्मी एकत्रित हो गए हैं और उन्हें ''मैनेज'' करने के लिए सी.एम. हाउस के आसपास सुरक्षा कड़ी की गई है। आम आदमी पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि सी.एम. हाउस की ओर जाने वाली सड़कों को बंद कर सभी निकास व प्रवेशद्वारों पर पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। यहां तक कि मुख्यमंत्री आवास पर तैनात स्टाफकर्मियों को भी अंदर नहीं जाने दिया गया।

''आप'' के इस आरोप पर कि लोकसभा चुनावों में प्रचार करने से रोकने के लिए ही भारतीय जनता पार्टी केजरीवाल को गिरफ्तार करना चाहती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर भारत में ''कोल्ड डे अलर्ट'' जारी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में अत्यधिक कंपकंपा देने वाली शीत लहर चलने के साथ ही

- **मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाए रहने की भविष्यवाणी की तथा ''कोल्ड डे अलर्ट'' जारी किया।**

आगामी दो दिनों तक ''जबरदस्त शीत दिवस'' बने रहने की चेतावनी जारी की है इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित इसके आस-पास के क्षेत्रों में घने कोहरा पड़ने की चेतावनी दी है। कड़ाके की सर्दी, घने कोहरे व कम दृश्यता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आखिर किस बात की जल्दी है नीतीश कुमार को?

क्यों वे लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव करवाना चाहते हैं?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। चर्चा है कि, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस वर्ष होने वाले लोकसभा चुनावों के साथ-साथ विधानसभा चुनाव करवाने के लिए लॉबीइंग कर रहे हैं।

पिछले पूरे पखवाड़े में, नीतीश कुमार किसी ना किसी कारण से खबरों में बने हुए हैं। एक थ्योरी यह है कि, कुमार इसलिए नाराज़ हैं क्योंकि, इण्डिया ब्लॉक का कनवीनर बनाए जाने की उनकी मांग नहीं मानी गई तथा वो एन.डी.ए.में पुनः प्रवेश की बात पर विचार कर रहे हैं। ये तर्क भी दिए जा रहे हैं कि, कुमार के ऊपर राजद का भारी दबाव है कि वो तेजस्वी यादव के लिए मुख्यमंत्री पद खाली कर दें। तीसरा विचार है कि, निष्फलता के कगार पर

- **चर्चा है कि, नीतीश कुमार कई कारणों से एन.डी.ए. में लौटना चाहते हैं।**
- **एक तो वह इंडिया ब्लॉक का संयोजक नहीं बनाए जाने से नाराज हैं।**
- **दूसरा कारण यह है कि, उन पर मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के लिए राजद की ओर से भारी दबाव डाला जा रहा है। लालू यादव अपने बेटे तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं।**

पहुँच चुके नीतीश कुमार अपना राजनीतिक जीवन बढ़ाने के लिए एक बार फिर अपने आप में कुछ बदलाव और नयापन लाने की कोशिश कर रहे हैं।

वैसे भी, लग रहा है कि कुमार काफी जल्दी में हैं। एन.डी.ए. पार्टनर के रुप में अपने लंबे कार्यकाल में कुमार ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण अडवानी सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ अच्छे संबंध बना लिए थे और अपनी शर्तों पर राजनीतिक लाभ लेने में सफल रहे थे। मोदी-शाह के कार्यकाल में भी वो मुख्यमंत्री पद पाने में सफल रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किसान 13 जनवरी को करेंगे दिल्ली कूच

सिरसा,04 जनवरी। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनैतिक) एवं हरियाणा , पंजाब तथा राजस्थान सहित उत्तरी भारत की 18 किसान जत्थेबंदियां किसान एवं खेत मजदूर की संपूर्ण कर्जा मुक्ति, स्वामीनाथन आयोग के तहत फसल खरीद की गारंटी का कानून, लखीमपुर खीरी के शहीद किसानों को इंसाफ सहित, लंबित पड़ी मांगों को लेकर आगामी 13 फरवरी को दिल्ली कूच करेंगी। दिल्ली कूच करने को लेकर भारतीय किसान एकता (बीकेई) डोट-टू-डोर अभियान चलाएगी।

यह निर्णय गुरुवार को जाट धर्मशाला सिरसा में हुई किसानों की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान एकता के अध्यक्ष लखविंद्र सिंह औलख ने की।

किसान आंदोलन की जिला प्रशासन को भनक लगी तो एलडीएम बैंक संजीव कुमार व उप कृषि निर्देशक सुखदेव कंबोज मौके पर जाट धर्मशाला पहुंचे।

लखविंदर सिंह औलख ने किसानों का बीमा प्रीमियम वापस आने व बीमा क्लेम में आ रही समस्याओं को उनके सामने रखा।

कश्मीर में सीमाओं पर विशेष जांच चौकियां स्थापित

श्रीनगर, 04 जनवरी। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने शीतकालीन सुरक्षा रणनीति के तहत केन्द्र शासित प्रदेश की सीमाओं पर विशेष जांच चौकियां स्थापित की हैं, जिससे घने कोहरे में घुसपैठियों को रोका जा सके। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

जापानः भूकंप में लापता 51 लोगों की तलाश जारी

टोक्यो, 04 जनवरी। जापान के इशिकावा प्रांत में बचाव और राहत अधिकारी नए साल पर आए शक्तिशाली भूकंप में लापता हुए 51 लोगों का पता लगा रहे हैं। क्योडो न्यूज एजेंसी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

क्योडो ने स्थानीय प्रशासन के हवाले से बताया कि, जापान के शहर वाजिमा में भूकंप से सबसे अधिक मौतें हुयी है और यहां अभी भी छह लोग लापता हैं। इसके अलावा, बचाव कर्मियों को यहां कई इमारतों के ढ हने की सूचना मिली है, जिनके मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक बार फिर खोज अभियान में शामिल सभी लोगों से लापता लोगों को खोजने के लिए पूरा प्रयास करने का आग्रह किया। भारतीय दूतावास ने जापान में एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जिसके माध्यम से भूकंप और सुनामी से प्रभावित लोग संपर्क कर सकते हैं।

गौरतलब है कि, इशिकावा प्रान्त में सोमवार को नोटो प्रायद्वीप पर सुजु शहर के पास तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमान पर 7.6 मापी गयी थी। इस एक भूकंप के बाद कई और तेज झटके महसूस हुए। इस आपदा से अब तक मरने वालों की संख्या 78 हो गई है, जबकि 100 से अधिक अन्य घायल हुए हैं। देश के कई शहरों में आए तेज भूकंप के झटकों के कारण कई इमारतें ढ ह गईं।

आंध्र में कांग्रेस के ''रिवाइवल'' का श्रीगणेश

मुख्यमंत्री जगन मोहन की बहन शर्मीला समर्थकों सहित कांग्रेस में शामिल हुईं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। एकीकृत आंध्र प्रदेश के पूर्व दिग्गज वाय.एस. राजशेखर रेड्डी की पुत्री वाय.एस. शर्मीला द्वारा अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने की सहमति प्रदान करने के साथ ही आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के पुनरुत्थान की पहली वास्तविक कार्यवाही सामने आ गई है। राजशेखर रेड्डी ने आंध्र में दो बार लोकसभा की 30 से ज्यादा सीटें जितवाकर केन्द्र में दो बार यू.पी.ए. सरकार गठित करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बुधवार को कांग्रेस ने एक घोषणा की थी कि ''एक बड़ी शख्सियत कल सुबह 10:30 बजे पार्टी में शामिल होने वाली हैं। कांग्रेस ने यह घोषणा कुछ वैसे ही की थी, जैसी कि भाजपा प्राय: अपने कानाफूसी अभियान और सोशल मीडिया की सुर्खियों के माध्यम से करती है। शर्मीला अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ गुरुवार सुबह ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पहुंची और कांग्रेस में शामिल हो गई, इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी उपस्थित थे।

इससे, कांग्रेस का आंध्र प्रदेश में निश्चित रूप से उत्साहवर्धन हुआ, जिसने पिछले 10 वर्षों में अपने लोगों को पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टियों में ही शामिल होते देखा है और आंध्र में उसका वोट शेयर भी 2 प्रतिशत से कम हो गया है। संयोग से, कांग्रेस का वोट शेयर वाय.एस.आर. के पुत्र जगन मोहन की पार्टी ने हथिया लिया है और कांग्रेस के पुराने नेता भी कांग्रेस से छोड़ कर उनकी नवगठित युवजन श्रमिक रायूत कांग्रेस पार्टी (वाय.एस.आर.सी.पी.) में शामिल हो गए थे।

जगन मोहन रेड्डी ने इसकी प्रतिक्रिया में कहा कि कुछ पार्टियां अपने

- **गुरूवार को सुबह 10.30 बजे शर्मीला अपने समर्थकों के साथ ए.आई.सी.सी. कार्यालय पहुंचीं और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हो गईं।**
- **आंध्र प्रदेश में दस साल से कांग्रेस ने सिर्फ पार्टी छोड़ने वालों को ही देखा, इसका वोट बैंक भी दो प्रतिशत से कम हो गया था, क्योंकि कांग्रेस के नेता और वोट बैंक सब जगन मोहन के पाले में चले गए थे।**
- **जगन मोहन रेड्डी ने इस विलय पर प्रतिक्रिया दी कि, कुछ पार्टियां राजनैतिक लाभ के लिए परिवार तक को तोड़ देती हैं। उसके बाद उन्होंने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव से भी बात की।**
- **शर्मीला ने कहा कि, वे खुश हैं क्योंकि अब वे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के अपने पिता के सपने के लिए काम करेंगी।**
- **आंध्र में शर्मीला का बड़ा जनाधार है। जब उनके भाई 2012-13 में जेल में थे तब उन्होंने 3100 किमी लम्बी पद यात्रा निकाली थी और 2019 में वाय.एस.आर.सी.पी. को जिताने में अहम् भूमिका निभाई थी। पर बाद में उनके अपने भाई के साथ मतभेद बढ़ गए थे।**

राजनीतिक लाभ के लिए परिवारों में विभाजन तक करवा देती है। इसके तुरन्त बाद उन्होंने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव से बात की, जो खुद भी कांग्रेस से चोट खाए है।

शर्मीला ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वह राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के अपने स्वर्गीय पिता के सपने को साकार करने की दिशा में काम करेंगी। उन्होंने कांग्रेस में शामिल होकर अपनी पार्टी युवजन श्रमिक रायूत (वाय.एस.आर.) तेलंगाना पार्टी के भी उसमें विलय की घोषणा की।

खड़गे और राहुल गांधी द्वारा भेंट किए गए कांग्रेस के निशान युक्त वस्त्र गले में पहनने के बाद शर्मीला ने कहा कि ''मैं इससे बहुत खुश हूं कि वाय.एस.आर. तेलंगाना पार्टी आज के बाद से कांग्रेस का अंग बनने जा रही है।

शर्मीला ने अपने भाई के साथ गंभीर मतभेद होने के बाद वर्ष 2021 में अपनी क्षेत्रीय पार्टी का गठन किया था। उन्होंने कहा कि मेरे पिता राजशेखर रेड्डी तेलुगू भाषी लोगों के प्रसिद्ध नेता थे। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दिया था और आज उन्हें बहुत खुशी होगी कि उनकी पुत्री उनके पदचिन्हों पर चलकर कांग्रेस पार्टी का हिस्सा बनने जा रही है। कांग्रेस ने हमारे देश की नींव रखी है और सभी समुदायों की निष्पक्ष सेवा कर भारत के सभी वर्गों को एकजुट किया है और इसीलिए मैं कांग्रेस में शामिल हुई हूं।''

शर्मीला ने मीडियाकर्मियों से कहा कि ''एक ईसाई होने के नाते मैं यह भी कहना चाहूंगी की मणिपुर में हुई बर्बरता से मैं बहुत आहत हुई हूँ। दो हजार चर्च तोड़े गए और 60 हजार लोग बेघर हुए और उस तरह की नृशंसता को मैं आज तक नहीं भूल पाई हूं। उस दिन मैंनें सोचा, यह बात अचानक मेरे दिमाग में आई कि जब कोई धर्मनिरपेक्ष पार्टी सत्ता में नहीं होती है, तब ऐसा ही होता है।''

कुछ दिन पूर्व हुई एक रणनीतिक मीटिंग के बाद हुआ उनका प्रवेश कांग्रेस के सुनिश्चित पुनरुत्थान का संकेत है। रणनीतिक मीटिंग में निर्णय लिया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को राहत नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरूवार (4 जनवरी) को कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने उनके

- **कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की, प्रधानमंत्री पर की गई कथित टिप्पणी के विरोध में दर्ज अपराधिक मामले को रद्द करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी।**

खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले की कार्यवाही को रद्द करने की गुहार लगाई थी। खेड़ा ने मुम्बई में आयोजित एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ एक व्यक्तिगत टिप्पणी की थी, इसलिए उनके खिलाफ केस दायर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)